स्तन कैन्सर का निदान

स्तन कैन्सर का निदान कैसे किया जाता है?

आप प्रायः अपने पारिवारिक डॉक्टर से पहले मिलते हैं, जो आपकी जाँच करता है और आपको एक विशेषज्ञ के पास जाने की सलाह देता है।

ब्रेस्ट क्लिनिक में

आप एक विशेषज्ञ से मिलते हैं।

आपसे पूछा जाता है कि आपको स्तन से संबंधित कोई और समस्या तो नहीं है या आपके परिवार में कोई स्तन कैन्सर से पीड़ित तो नहीं है।

डॉक्टर आपके स्तनों की, बगल/कांख की लसिका ग्रंथियों और आपकी गर्दन के आसपास की जाँच करेंगे और आपको बताएंगे कि आप को किस प्रकार के परीक्षण करवाने की जरूरत है।

मॅमोग्राम

मॅमोग्राम एक प्रकार का, छाती का लिया गया एक्स–रे होता है जिसके लिये आपको अपना कुर्ता और अन्तर्वस्त्र निकालना पड़ सकता है।

रेडिओग्राफेर आपको इस तरह से व्यवस्थित करेगा जिससे आपके स्तन एक सपाट, साफ प्लास्टिक की बनी प्लेट से सटी हुई और एक्स–रे मशीन के सामने हो। आपके दोनों स्तनों का मॅमोग्राफ अलग–अलग कोणों से लिया जाएगा।

स्तन के ऊतकों को दबाकर रखना स्तनों को स्थिर करने के लिये और एक स्पष्ट चित्र पाने के लिये आवश्यक होता है। प्रायः महिलाओं को यह अवस्था असुविधाजनक लग सकती है और कुछ महिलाओं को यह थोड़े समय के लिये दर्द का कारण भी बन सकती है।

मासिक धर्म के दौरान स्तनों में नरमी और दर्द सामान्य है। अतः मासिक धर्म के दौरान मॅमोग्राफ करवाना टालना चाहिये।

प्रायः मॅमोग्राम का उपयोग 40 वर्ष आयु की महिलाओं के लिये ही किया जाता है। इससे

कम आयु की महिलाओं में स्तन के ऊतक बहुत सघन होते हैं और चरबी की मात्रा कम होती है जिसके कारण मॅमोग्राम में परिवर्तन को देख पाना कठिन होता है। पैंतीस वर्ष से कम आयु की महिलाओं में अल्ट्रासाउन्ड का सहारा लिया जाता है।

स्तन का अल्ट्रासाउन्ड

अल्ट्रासाउन्ड में ध्वनितरंगों का प्रयोग कर के स्तन का एक चित्र बनाया जाता है। जिससे पता चलता है कि गाँठ ठोस है या तरल द्रव से भरी हुई है।

आपको आपका कुर्ता और अंर्तवस्त्र निकाल कर एक कोच पर अपनी बाँहें सिर के ऊपर उठाकर लेटने के लिये कहा जाएगा। आपके स्तन के ऊपर एक जेल लगाया जाएगा और एक छोटा यंत्र स्तनों के ऊपर घुमाया जाएगा। एक स्क्रीन पर आपके स्तनों का अंदरुनी भाग चित्र के रूप में ऊभर आएगा। अल्ट्रासाउन्ड में कुछ ही मिनिटों का समय लगता है और यह पीड़ारहित है।

लसिका ग्रंथियों का अल्ट्रासाउन्ड

आपकी कांख/बगल में स्थित लसिका ग्रंथियों का भी अल्ट्रासाउन्ड किया जाएगा। अगर उसमें कोई भी ग्रंथि में सूजन दिखाई दे या कुछ असामान्य दिखाई दे तो आपको स्थानीय निश्चेतक (लोकल एनेस्थेसिया) डॉक्टर एक पतली सुई ग्रंथि में डालकर ग्रंथि में से कुछ भाग माइक्रोस्कोप के नीचे जाँचने के लिये भेज देंगे ताकि कैन्सर के कोशों की उपस्थिति का पता लगाया जा सके।

स्तनों की बायोप्सी

असामान्य लगने वाले भाग, या गाँठ से ऊतकों या कोशों के कुछ भाग को निकाल लेने को बायोप्सी कहते हैं। पॅथोलॉजिस्ट इन ऊतकों या कोशों की, कैन्सर के कोशों की उपस्थिति के लिये जाँच करते हैं।

पतली सुई से ऊतकों या कोशों को निकालने के अतिरिक्त, गाँठ के आकार और स्थान के आधार पर कई अन्य प्रकार से भी बायोप्सी की जाती है – कोर बायोप्सी (मोटी सुई का इस्तेमाल कर), और एक्सीझन बायोप्सी (एक छोटा–सा ऑपरेशन कर)। आपके डॉक्टर या नर्स आपको किस प्रकार की बायोप्सी की आवश्यकता है यह बताएंगे।

बायोप्सी के कुछ दिनों बाद तक आपको स्तन में थोड़ी सी अस्वस्थता और खरोंच होने का अनुभव होगा। दर्दनाशक दवा लेने से सहायता मिलेगी और खरोंच 10–15 दिनों में ठीक हो जाएगी ।

कभी कभी ऑपरेशन करनेवाले सर्जन एक छोटी सी धातु की क्लिप को बायोप्सी की जगह पर छोड देते हैं ताकि यदि आपको दोबारा कुछ स्तन के ऊतकों को निकालने के लिये ऑपरेशन की जरूरत पड़े तो वह स्थान तुरंत मिल जाए। यह क्लिप आपको कोई तकलीफ नहीं देती।

स्तन कैन्सर के लिये अन्य परीक्षण

यदि बायोप्सी के परिणामों में कैन्सर के कोश होने का प्रमाण मिलता है तो, आपका इलाज शुरु करने से पहले आपको कुछ अन्य परीक्षण भी करवाने पड़ सकते हैं। इन परीक्षणों में चित्रीकरण मुख्य हैं। चित्रीकरण से पता लगाया जाता है कि कैन्सर की गाँठ कितनी बड़ी है और उसका प्रसार कितना है। यदि गाँठ का आकार छोटा हो तो ऑपरेशन करके सिर्फ उस गाँठ को निकाल दिया जाता है। यदि गाँठ बड़ी हो तो पूरे स्तन को निकाल देने की जरूरत पड़ सकती है। इसके अलावा, कैन्सर के कोश शरीर के अन्य भागों, हड्डिओं, में भी तो नहीं फैले हैं यह देखने के लिये भी चित्रीकरण की जरूरत पड़ती है।

एमआरआई (मॅग्नेटिक रिसोनेन्स इमेजिंग) स्कैन

एमआरआई स्कैन में चुंबक के माध्यम से आपके शरीर के बहु आयामी चित्र बनाए जाते हैं। अगर आपको फैलने वाला कैन्सर हो तो इससे डॉक्टर को यह निर्णय लेने में सहायता मिलती है कि आपके लिये कौन सा ऑपरेशन उपयुक्त रहेगा। स्कैन पीडारहित होता है और इसमें 30 मिनिट का समय लगता है।

स्कैनर एक बहुत ही शक्तिशाली चुंबक होता है, इसलिये आपके द्वारा पहनी हुई हर तरह की धातु की वस्तुओं, गहनों को उतार देने के लिये कहा जाता है। अगर आपके शरीर में कोई धातु का अंग प्रत्यारोपित है या आप धातु के उद्योग में काम कर चुके हैं तो अपने डॉक्टर को इस बारे में जरूर बताएं।

स्कैन करने से पहले आपको एक रंगीन द्रव का इन्जेक्शन दिया जाता है ताकि चित्र अधिक स्पष्ट उभर कर आए। इसकी वजह से आपको थोड़ी देर के लिये गर्मी का अनुभव होगा। अगर आपको आयोडीन की एलर्जी हो या अस्थमा की बीमारी हो तो इन्जेक्शन के अधिक गंभीर प्रभाव हो सकते हैं अतः अपने डॉक्टर को इसकी पूर्व सूचना अवश्य दें। आपको एक धातु के सिलेन्डर के अंदर एक कोच के ऊपर स्थिर लेटने के लिये कहा जाएगा। स्कैन में बहुत शोर होता है इसलिये आपको कान में पहनने के लिये ईयरप्लग या हेडफोन दिये जाएंगे।

रक्त परीक्षण

आपके सामान्य स्वास्थ्य की जाँच के लिये और यह जानने के लिये कि आपके गुर्दे और यकृत किस क्षमता से काम कर रहे हैं, आपके रक्त की भी जाँच की जाती है। रसायन चिकित्सा या शल्यक्रिया के पहले इस तरह की जाँच आवश्यक है।

परीक्षण के परिणामों की प्रतीक्षा करना

परीक्षणों के परिणामों की राह देखना बहुत कठिन हो सकता है। परिणाम मिलने में कई दिनों से लेकर कई सप्ताह तक लग सकते हैं। इस समय के दौरान अपनी चिंताओं के विषय में अपने जीवन साथी, रिश्तेदार या करीबी मित्र से बात करना सहायक सिद्ध होता है।

अन्य परीक्षण

कुछ महिलाओं को अन्य प्रकार के परीक्षण भी करवाने पड़ सकते हैं जिससे पता लगे कि कैन्सर शरीर के अन्य भागों में भी तो नहीं फैला है। इन्हें स्टेजिंग टेस्ट के नाम से भी जाना जाता है।

हड्डियों का स्कैन

इस परीक्षण में हड्डियों की असामान्यताओं का पता चलता है। विकिरण–युक्त पदार्थ की एक छोटी सी मात्रा को आपकी एक नस में इन्जेक्शन से डाला जाता है। इन्जेक्शन के दो–तीन घन्टे बाद आपका स्कैन किया जाता है। असामान्य हड्डियाँ, सामान्य हड्डियों की तुलना में अधिक विकिरण–युक्त पदार्थ सोखती हैं और यह स्कैन में स्पष्ट दिखाई देता है। कभी–कभी आपको एक अधिक विस्तृत स्कैन – सीटी स्कैन की जरूरत पड़ सकती है।

सीटी (कॉम्प्युटराईज्ड टोमोग्राफी) स्कैन

इस स्कैन में चित्रों की एक शृंखला से शरीर के अंदरुनी भाग का एक त्रि–आयामी चित्र बनाया जाता है। इसमें दस से तीस मिनिटों का समय लगता है और यह पीडारहित है। इसमें विकिरण–युक्त पदार्थ की एक छोटी सी मात्रा का उपयोग होता है जो आपको या आपके संपर्क में आने वाले किसी को भी किसी तरह से नुकसान नहीं पहुँचाती। स्कैन से पहले, कम–से–कम चार घन्टों तक आपको कुछ भी न खाने और पीने की सलाह दी जाती है।

आपको एक रंगीन द्रव पीने के लिये दिया जाता है अथवा इन्जेक्शन से आपके शरीर में डाला जाता है, जिससे शरीर के अंदर के भाग स्पष्ट उभर आते हैं। इस द्रव को पीने के बाद या इन्जेक्शन से लेने के बाद कुछ समय के लिये आपको बहुत गर्मी का अनुभव होता है। यदि आपको आयोडीन की एलर्जी हो या आप अस्थमा/दमा से पीड़ित हों तो इसकी सूचना आपके डॉक्टर को देना बहुत महत्त्वपूर्ण है क्योंकि उस स्थिति में आपको इन्जेक्शन के बहुत गंभीर परिणाम झेलने पड़ सकते हैं।

स्कैन समाप्त होते ही आप घर जा सकेंगे।

पेट–सीटी स्कैन एवं पोजिट्रोन टॉमोग्राफी (PET)

यह पेट–सीटी स्कैन का संयुक्त रूप है, जिसमें लगातार क्रम से एक्स–रे लिये जाते हैं जो कि शरीर के भीतरी भाग के त्रिआयामी चित्र बनाते हैं। शरीर के अलग–अलग भागों के कोशों की सक्रियता मापने के लिए पेट स्कैन में थोड़ी मात्रा में विकिरण का प्रयोग किया जाता है। पेट–सीटी स्कैन, शरीर के स्कैन किये हुए भाग की विस्तृत जानकारी प्रदान करते हैं। इसे करवाने के लिए आपको विशेष सेंटर में जाना होगा। स्कैन से 6 घंटे पूर्व आपको कुछ नहीं खाना है लेकिन आप पेय पदार्थ ले सकते हैं।

प्रायः आपकी बाँह में एक हल्का रेडियोएक्टिव पदार्थ बाँह की नस में दिया जायेगा। विकिरण की मात्रा बहुत कम होती है। स्कैन कम से कम एक घंटे बाद किया जायेगा, इसमें केवल 30–90 मिनिट समय लगता है। स्कैन के पश्चात् आप घर जा सकते हैं।

यह स्कैन सब केसों में आवश्यक नहीं है, यह केवल कुछ विशिष्ट केसों में आवश्यकता होने पर किया जाता है।